MOTION FOR ELECTION TO THE COMMITTEE ON PUBLIC ACCOUNTS

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL) : Madam, I move the following Motion:-

> "That this House concurs in the recommendation of the Lok Sabha that the Rajya Sabha do agree to nominate seven Members from Rajya Sabha to associate with the Committee on Public Accounts of the Lok Sabha for the term beginning on the 1*' May. 2003 and ending on the 3o"' April, 2004 and do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, seven Members from among the Members of the House to serve on the said Committee."

The question was put and the motion was adopted.

MOTION FOR ELECTION TO THE COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL} : Madam, ! move the follow/ing Motion:-

> "That this House concurs in the recommendation of the Lok Sabha that the Rajya Sabha do agree to nominate seven Members from Rajya Sabha to associate with the Committee on Public Undertakings of the Lok Sabha for the term beginning on the i*' May, 2003 and ending on the 30"* April, 2004 and do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, seven Members from among the Members of the House to serve on the said Committee."

The question was put and the motion was adopted.

डा. अबरार अहमद (राजस्थान) **:** मैडम, गत तीन दिनों से लगातार मेरे और मेरे परिवार को जिस तरह से जान से मारने की धमकियां मिल रही है, मैं आपके माध्यम से उसके बारे में सदन और सरकार को बताना चाहूंगा । शुक्रवार की रात को पौने बारह बजे एक व्यक्ति

MATTERS RAISED WITH PERMISSION OF THE CHAIR Threat to **Member of Parliament and his family**

को 7. तालकोटरा रोड , जो मेरा निवास स्थान है , उसके पीछे की बाउंडरी वॉल से अदंर आने का प्रयास करते हुए देखा गया । मेरा लड़का जो बीस साल की उम्र का है, वह पढ़ते पढ़ते बाहर निकला था क्योकि बाहर सामने की कोठी के अदंर म्यूजिक सिस्टम खराब हो गया था, जिसकी टू-टू की आवाज से वह डिस्टर्ब हो रहा था। उसने वापिस अंदर आते हुए देखा कि एक व्यक्ति वहां खड़ा हुआ अंदर आने का प्रयास कर रहा था। उसने चार कदम आगे बढ़कर ललकारा कि "कौन है" तो उस व्यक्ति ने वापिस कूदकर जाने का प्रयास किया । यह तेजी से दीवार के पास तक गया । पीछे कोई वैन थी, जिसमें वह बैठा । उसमें दूसरे भी कोई लोग होंगे जो तेजी से उस वैंन को भगाकर ले गये। मेरे बेटे ने बाहर से मुझे आवाज लगायी। मैं घबराकर उठा कि मेरा बेटा बाहर से आवाज क्यों लगा रहा है ? जब मुझे उसने बताया तो मैं उसके साथ बाउंडरी वाल पर गया मैंने देखा कि वहां पर जो बासों की बाड़ लगी होती है, वह हटी हुई थी । मैं फोरन अंदर आया और मैंने सौ नम्बर पर डायल करके इस संबंध में इत्तला दी । इस बीच उसने वहां जाकर दुबारा देखा कि एक कागज जैसे मुट्ठी में गुडी-मुडी करके रहता है, वहां गिरा हुआ मिला । वह उसने मुझे आकर दिखाया तो मैंने देखा कि उसमें मेरे घर का पूरा नक्शा बना हुआ था। उस नक्शें में ऐरो के माध्यम से मेरे बेडरूम तक कैसे पहुंचते हैं, वह बताया गया था और बैडरूम को डबल क्रॉस किया हुआ था। यह नक्शा मैंने फौरन, उसी दिन रात को सवा बारह बजे पुलिस को दिया । पुलिस अधिकारी आए और उन्होंने पूरी लिखा-पढ़ी की । लेकिन कहानी यही खत्म नही हुई । दूसरे दिन ओपेल ऐस्ट्रा गाड़ी – जिसके अंदर शीशें पर फिल्म लगी हुई है और यह पता नहीं लगता कि उसमें कौन बैठा हुआ है – घर से बाहर निकली । उसमें मेरा लड़का किताब खरोदने गोल मार्किट जा रहा था। वहां पहुंचने से पहले ही निक्कों होटल के पास एक लाल कॉलिस गाड़ी ने उसको आगे से ओवरटेक करके रोका । उसमें से तीन आदमी उतरे । दो के पास रिवॉल्वर और पिस्टल था तथा एक के हाथ में हॉकी स्टिक थी । जैसे ही मेरे बेटे ने यह दृश्य देखा – रात की घटना उसे मालूम थी – उसने फौरन वहां से, जितनी उसमें भागने की ताकत थी, गाड़ी को भगाने का प्रयास किया । उस व्यक्ति ने एक स्टिक मेरे बेटे की गाड़ी के आगे कांच पर मारी और दूसरी घुमाकर फिर मारी, मेरा बेटा , जितनी तेजी से गाड़ी चल सकती थी, 130-140 किलोमीटर की स्पीड से दो किलोमीटर तक लगातार फुटपाथ पर लालबत्ती क्रास करते हुए भगाकर लाया । पीछे लाल कॉलिस ने उसका पीछा किया । ससंद के गेट नम्बर दो पर आकर उसने गाड़ी को 120-130 की स्पीड पर ही लाते हुए रोका । ससंद के वॉच ऐड वार्ड को मैं धन्यवाद दूंगा कि जैसे ही उसने उतरकर कहा कि मैं डा. अबरार अहमद का बेटा हूं , पीछे एक गाड़ी मुझे फालों कर रही है, यहां के कमांडोज ने उसे फौरन सुरक्षा प्रदान की । वह कॉलिस गाड़ी उसी सर्किल से 30 सेंकेड़ के बाद निकली । वहां पर जो पुलिस के आर्म्ड गाड़र्स थे, उन्होंने भी उसे देखा । जब वहां से मेरे घर पर फोन गया तो मेरा बेटा फोन पर रो रहा था कि पापा,आप फौरन यहां पार्लियामेंट हाउस के अंदर आइए। मैंने पूछा कि क्या बात हुई ? उसने कहा कि "आप बस आ जाइए, मैं इस जगह पर हूं ।" मैं फोरन यहां आया । सारे वॉच ऐड वार्ड के लोग यहां थे, कमांडोज थे । उन्होंने बताया कि इस तरह से बात हुई हैं । वहां पर जो लोग डयूटी पर थे, उन्होंने भी मुझे बताया कि लाल कॉलिस यहां से निकली । उस संबंध में भी हमने लिखित में शिकायत दी । कहानी यही खत्म नहीं होती है । उसके बाद कल शाम को पांच बचे वही मेरे घर के पीछे बाउंडरी के पास एक कागज फिर से वहां पड़ा हुआ मिला, ताजा कागज, मेरे ड्राइवर सरवर ने – जो सवाई माधोपुर का रहने वाला है – वहां से उठाया । उस कागज पर लिखा हुआ

था कि "आखिर कब तक तुम और तुम्हारे बच्चे और बीबी बचोगे ? रात को पुलिस और दिन में क्या ?" "क्वेश्चन मार्क" लगा रखा था । फिर अंग्रेजी में लिखा हुआ था "टेक केयर" और फिर नीचे लिखा हुआ था "जय श्री कृष्ण, जय अल्लाह" । यह कागज वहां पर पाया गया । महोदया,यह बात कई चीजों पर प्रश्न चिन्ह लगाती है । दो-ढाई किलोमीटर एक कॉलिस गाड़ी बराबर फुटपाथ पर चलती हुई ओपेल ऐस्ट्रा का पीछा करती है लेकिन रास्ते में या संसद के पास कोई उसे नहीं रोक पाया । ससंद भवन के बाहर सर्किल से वह गाड़ी निकल गयी। जब मैं और मेरी पत्नी यहां आए तो हम बराबर यह कहते रहे कि यह सब छोड़ो और पहले उस गाड़ी को रोकने का प्रयास करो कि वह गाड़ी कहा है, कहां नहीं है। आज तक तीन दिन हो गये हैं, वह गाड़ी नहीं मिली । मैडम, मैं तो एक छोटा आदमी हूं । मरना हम सबको है, कोई आज मरेगा, कोई कल मरेगा लेकिन जिस प्रकार से संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर यह बात प्रश्न चिन्ह लगाती है, हम लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाती है, वह बहुत अहम बात है । मैं इसके माध्यम से कोई सुरक्षा नहीं मांग रहा हूं – क्योंकि इस प्रकार की घटनाओं को इस चीज के अदंर डायल्यूट कर दिया जाता है – बल्कि मैं यह मांग करता हूं कि वे कौन लोग हैं, क्या कर रहे हैं ? अगर उनको पकड़ लिया जाता है तो अपने आप स्वतः ही सुरक्षा हो जाएगी । इसके अतिरिक्त जिस प्रकार से संसद की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लगा है, उसको देखा जाए । धन्यवाद।

DR. T. SUBBARAMI REDDY {Andhra Pradesh) : Madam, it is a very serious matter *...^nterruptbns)...*

SHRI S. VIDUTHAUM VIRUMBI {Tamil Nadu) : Madam, as far as the safety of the MPs is *concerned...i/nterruptions)...*

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh) : Madam, the direction should come from the Chair.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. *...(Interruptbns)...*All right. *...{Interruptions* अभी अबरार अहमद साहब ने मुझसे चैम्बर में कहा था, तो मैंने कहा था कि आप यह मैटर जरूर हाउस में उठाइए क्योंकि जो हमारे संसद सदस्य है, उनको सुरक्षा तो मिलनी ही चाहिए । बहुत से सवाल वे सदन में उठाते हैं , because of that also there may be some people against them. We know that a Member of the Lok Sabha was killed while going back to her residence from the Parliament House, near the gate of her residence. So, this matter is also very serious. Mr. Rajagopal...(/nterrL/ptons)...

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान) **:** मैडम, मंत्री जी को यहां बुलाकर बताना चाहिए । **...**(व्यवधान)**...**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am concerned about it, that is why, I want to say this. *...{Interruptions)...* But, would you please wait for a minute? I think the Government would take the situation seriously. If I give a direction, I am sure, the Government will take some note of it. I would request Mr. Rajagopal to inform the Home Ministry at)0ut this. The

whereabouts of that Qualis car can be found out if the car number has been noted by anybody. The police should take some action and investigate how they could come near the Parliament House gate.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL): Madam, the concern expressed by the hon. Member, which has been shared by most of the Members of this House, will be conveyed to the concerned Ministry.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, it is the concern of all the MemtDers. There can be no two opinions about the safety and security of the Members of Parliament, राजीव शुक्ल जी, आप कुछ कहना चाह रहे थे?

FELICITATIONS TO THE INDIAN CRICKET TEAM ON ITS VICTORIES OVER ENGLAND AND PAKISTAN IN THE WORLD CUP

श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश) **:** मैडम, मैं यह कहना चाह रहा था कि विश्व कप में जिस तरह से भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैड और पाकिस्तान के खिलाफ पिछले दो मैंचो में जीती है, मेरे ख्याल से सदन को इसके लिए उन्हें बधाई देनी चाहिए । अगर एक मैच हारने पर उनके घरो पर पथराव हो सकता है तो दो मैच जीतने पर कम से कम सदन को उन्हें बधाई तो देनी ही चाहिए, ऐसा मैं सदन से आग्रह करता हूं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are all very happy about it.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Madam, I support the views expressed by Shh Rajiv Shuklaji. *...(Jnterruptbns)...*

, SOME HON. MEMBERS: Madam, we all support his views. *...fjnterruptkDns)...*

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र) **:** मैडम, राजीव जी वहां गए और हम जीत गए । उनको भी बधाई हैं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me comment on this. *...ijnterrupt'ions)...* We are very happy that the Indian Team has won In one match, and that now they are in Super Six. We hope that they win the World Cup also. We also wish them good luck.

श्री राजीव शुक्ल : मैडम, मैं वही से आ रहा हूं । प्रयास जारी है और लड़कों में बहुत उत्साह है । काफी मेहनत से ये खेल रहे हैं ।